शोध सारांश

राष्ट्रीय महिला आयोग की स्थापना 1992 में महिला आंदोलन के स्थान पर की गयी. अत: सरकार द्वारा NCW की ऐसी संरचना तैयार की जो अपने कार्य व शक्तियों को लेकर सरकार पर पूरी तरह निर्भर होकर रह गया . अत: NCW के अंतर्गत केंद्र सरकार द्वारा ही अध्यक्ष व सदस्यों का चयन गया. परन्तु यह देखा गया कि केंद्र में जो सरकार रहीं उसी तरह NCW को रूलिंग किया गया तथा उसी अनुसार मुद्दों को उठाया गया , ऐसे में सरकारी मशीनरी के अंतर्गत NCW को एक कमजोर संस्था के रूप में जन्म दिया गया. महिलाओं पर बढ़ते अनिश्चित अत्याचारों, उत्पीड़न व शोषणों के मुद्दे पर राष्ट्रीय महिला आयोग की ओर से कोई सशक्त सक्रिय प्रतिक्रिया न दिखना. NCW की चयन प्रक्रिया, कार्य, शक्तियों, NCW कानून पर कई सवाल खड़े कर देता हैं. पिछले कुछ सालों से सत्ता के दमन का जो फासीवादी रूप हमारे सामने आया हैं उसमें महिलाओं पर हिंसा न केवल संरचनात्मक, सांस्कृतिक तौर पर हुई बल्कि राज्य के पूंजीवादी लोकतंत्र में उसका और भी वीभत्स रूप हमारे समक्ष उपस्थित हुए हैं. जिस पर NCW की सशक्त प्रतिक्रिया न दिखाना महिलाओं के प्रति होने वाली हिंसाओं को सहमती प्रदान करना भी हैं. जिसकी विस्तृत चर्चा अध्यायों में होंगी.

Summary

National Commission for Women was founded in 1992 as the result of the women's movement. Therefore, structure of NCW prepared by the Government, in which, their work and powers depends on the government. The central government was selected the President and members of NCW. But the ruling government and the state machinery raises that issues under the NCW has been born as a weak institution. Increasing numbers of atrocities on women, issue of harassment and discrimination, not has seen any strong active response from NCW. The selection procedures of NCW, their functions, powers, are raised many questions on NCW's law. Over the years, government's fascist face comes out through suppression, which is not being only reasons for structural violence, but also cultural, rather ghastly capitalist face of the state comes out in public. At this, not seen strong and rigorous response of NCW, which shows NCW provides agreement to violence against women. This is discussed in detail in the chapters.